पीजी डिप्लोमा इन छत्तीसगढ़ी भाषा और साहित्य

प्रश्न पत्र - तृतीय

छत्तीसगढ़ी साहित्य

Course Code : PGDCLL-03

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय-छत्तीसगढ़, बिलासपुर

कोनी-बिरकोना पहुँच मार्ग, ग्राम पोस्ट बिरकोना, बिलासपुर

फोन : 07752-240712

Web site : http://www.pssou.ac.in

E-mail: vcpssou@rediffmail.com, vc@pssou.ac.in, registrar@pssou.ac.in, info@pssou.ac.in

VERIFIED

REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Shri Resham Lal Pradhan
Incharge NAAC Criteria
PSSOU, CG Bilaspur

अनुक्रमणिका

खण्ड-1 छत्तीसगढ़ी काव्य

1. पं. सुन्दरलाल शर्मा- परिचय 15

'छत्तीसढ़ी-दानलीला' का अंश/अभ्यासार्थ प्रश्न

2. पं. द्वारिका प्रसाद तिवारी 'विप्र' परिचय 21

रचानाएँ - (1) धमनी हाट

(2) धन-धन रे मोर किसान

(3) सरद रितु आगे

अभ्यासार्थ प्रश्न

3. कुंज बिहारी चौबे- परिचय 27

रचनाएँ- (1) चल मोर भैया बियासी के नांगर

(2) तंय ठग डारे हमला रे गोरा

(3) गाँधी-गौरा

अभ्यासार्थ प्रश्न

4. लाला जगदलफरी- परिचय 35

रचनाएँ- (1) फन्नी के चन्दा

(2) बरखा

(3) नाचे सोन चिरैया

अभ्यासार्थ प्रश्न

5. हरि ठाकुर-परिचय 41

रचनाएँ- (1) बादर गीत

(2) सुरता के चन्दन

(3) सबे खेत ला बना दिन खदान

अभ्यासार्थ प्रश्न

6. डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा- परिचय 47

रचनाएँ (1) छत्तीसगढ़ वंदना

(2) दुनिया अठवारी बाजार रे उसल जाही

(3) खेत ला बिसार झन

अभ्यासार्थ प्रश्न

7. रामेश्वर वैष्णव- परिचय 51

रचनाएँ- (1) अइसन दीया बार

(2) रात कटही

(3) अमरनाथ मरगे

अभ्यासार्थ प्रश्न

8. डॉ. विनय कुमार पाठक- परिचय 55

रचनाएँ- (1) तब्भे चिरई उड़िहो

Shri Resham Lal Pradhan
Incharge NAAC Criteria-1
PSSOU, CG Bilaspur

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

(2) मोर गाँव रे
(3) हम पथरा गोटी नोहन
अभ्यासार्थ प्रश्न

9. लक्ष्मण मस्तुरिया-परिचय 59
रचनाएँ- (1) मंय छत्तीसगढ़िया अंव
(2) मोर संग चलव रे.
(3) तोर मोर भेंट कहाँ मेर होही.

खण्ड. 2. छत्तीसगढ़ी कहानी

1. पं. श्यामलाल चतुर्वेदी-कृतिकार परिचय 65
रचना- जंगो के जोमर्दी
अभ्यासार्थ प्रश्न

2. केयुर भूषण- कृतिकार परिचय 71
रचना- हांय तोला नई बचाए सकेंव
अभ्यासार्थ प्रश्न

3. डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा- कृतिकार परिचय 77
रचना 1 – नाव के नेह मा
अभ्यासार्थ प्रश्न

4. शिवशंकर शुक्ल-कृतिकार परिचय 83
रचना- मया के अँचरा
अभ्यासार्थ प्रश्न

5. डॉ. परदेशी राम वर्मा- कृतिकार परिचय 89
रचना- हमला तंय झन भरमा जी
अभ्यासार्थ प्रश्न

6. डॉ. बिहारी लाल साहू- कृतिकार परिचय 97
रचना- हाँसन दे..
अभ्यासार्थ प्रश्न

7. सुदामाराम गुप्ता- कृतिकार परिचय 103
रचना- जीवपरी
अभ्यासार्थ प्रश्न

8. मंगत रवीन्द्र- कृतिकार परिचय 109
रचना- गोरस के मोल
अभ्यासार्थ प्रश्न

9. डॉ. उर्मिला शुक्ल- कृतिकर्तृ परिचय 115
रचना- लहुँट आय हे मन्टोरा

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Shri Resham Lal Prad...
Incharge NAAC Crite...
PSSOU, CG Bilaspur

NOTES

चौपाई

आज अरे ठौंका पहुँचायेंव। गंज दिना में मैं सपड़ायेंव।।
बघवा हाथी लादे जाथौं। छुच्छा ठेंगवा मोला चुमाथौं।।
आनी बानी माल रखे हौं। कुच्छू नइये ऐसन कहिहौ।।
तुम्हीं बतावौ कइसे बनि है? थोरिक हो तो कोनो मनि है।।
मोती केंरा कुंवल लदायेव। हंडुला सोन अतेक-गढ़ायेव।।
तेमाफेर समुद्र रखे हौ। पंड़की अउर परेवा है हो।।
कुंदरू दरमी धनुवा-लायेब। सूरज चन्दा घलो लदायेव।।
साँप घलाय सबो पोंषे हौ। सबो जगात आज मोर देहौ।।
सुनत बात ऐसन रौताइन। अब्बो सब्बो झन कौवाइन।।
देखे गोई! कहा बताथै। कैसे अंढत गंढत गोठियाथे।।
ऐसन गोंठफबित नई आवै। मोहन हमला लाज मरावै।।

दोहा

सुन पाहैं कोनो कहूँ, तब का हो है हाल?
आगी-लग-जातिस-अओ! ऐसन ठठा ख्याल।।

चौपाई

जानेन चेलिक भइन कन्हई तेखरे ये चोचला ऐ-दाई।
नगरा नगरा फिरत रहिन हैं। आजेच चेलिक कहाँ भइन हैं?।।
कौन गुरू मेर कानफुँकाइन? बड़े डपोर संख बन आइन।।
दाई ददा ला जे नइ मानै। तेफेर दूसर ला का जानै?
अजिच गम पायेन सब्बो-झन। फोर भिंभोरा जनमिन मोहन।।
जनमिन भलुक इखरे पेटी। बेटा नन्द जसोदा बेटी।।
गंज दिनाके ये बुढुवा ऐ। मेछा दाढ़ी घलो खियागै।।
तेला नइ जानत हौ कोई बुढ़गंडा के तपनी गोई।
गहना गूठा पहिरब ओढब। नइ सुहाय जेला हमार जब।।
कोंचक लेय दूनो आँखी-में। सालत है एखरो छाती-में।।
रसदा चलती-में ओरझत है। गहना गूँठा ला उटकत है।।

दोहा

पहिरब ओढब घला हर, कसके लगिस हमार।।
जर जातिस ऐसन गोई! गोकुल के बसवार।।

VERIFIED REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)

Shri Rkam Lal Pradhan
Incharge NAAC
PSSOU, CG Bilaspur

NOTES

चौपाई

बघवा बन-में रहिथै गोई! तेला भला! पकरथैं? कोई।
तौनो ला हम मेर बताथै। कइसे कइसे के डेरूवार्थ?।।
हाथी ला हम कहाँ लुकायेन? हंडुला सोन कहाँ ले पायेन।।
कोनो समुंद ला लाये सकथै। तेला भला कहाँ ले रखथै?।।
चन्दा सुरूज सरग में होथै। कैसे तेला हइां घटोथै?।।
कुंदरू दरमी कहाँ लदायेन? पंडकी सुवा कहाँ टरकायेन?।।
मोती केरा कंबल कहाँ है?। तभ्भे बनि है जभे देखा है।।
कइसे कइसे के गोठियाथै?। हमला कमठा तीन बताथै।।
बिखहर साँप कहाँ पहुँचायेन?। तेला हम कैसे के लायेन?।।
झारा झरती लेय बताहै। नहीं तो बात बिगर सब जाहै।।
बहुँतो हर ऐसनों के-का है। नहि तो बात बिगर सब जाहै।।
मन-के मुखी होयगैं मोहन। कोनो हम्मन मनखे नोहन।।

दोहा

लेता भला! देखाव-तो तभ्भे बनि है बात।
फोकट के नोहै बने, कखरा करबो घात।।

चौपाई

नीकलिहै तभ्भे तो भरबो। नहि तोफेर जौंहर कर डरबो।।
सुनत बात मुसकाइन मोहन। हमफोकट कहवैया नो हन।।
कतको बढ़ बढ़ के गोठियावै। सूइन मेर नइ पेट लुकावै।।
सब्बो के जगात पटवाहौं। अभ्भी एकक खोल देखाहौं।।
केरा जांघ नख्ख है मोती। कहौ बांचि हौ कोनौ कोती?।।
कंवल बरोबर हाथ देखाथै। छाती हंडुला सोन लजाथै।।
बोड़री समुंद हबै पंड़की गर। कुंदरू ओठ दाँतं दरमी-कर।।
सूरज चन्दा मुँह में आहै। टेंड़गा भऊँ अओ! कमठा है।।
तुरतुराय मछरी अस आँखी। है हमार संगी मन साखी।।
सूवा चोच नाक ठौके है। साँप सरिक बेणी ओरमे।।

दोहा

खात खात सिठाय-गै, दूध दही औ भात।
नई तेखर संग काम है, लैहों यही जगात।।

VERIFIED
REGISTRAR
Pt. Sunderlal Sharma (Open)
University Chhattisgarh
BILASPUR (C.G.)
Shri Resham Lal
Incharge NAAC Cr
PSSOU, CG Bilaspur